NSDL
Technology, Trust & Reach

द फाइनेंशियल कैलिडोस्कोप
डिफाइनिंग द डिफरेंट शेप्स ऑफ़ इन्वेस्टमेंट

जून - सितम्बर 2021

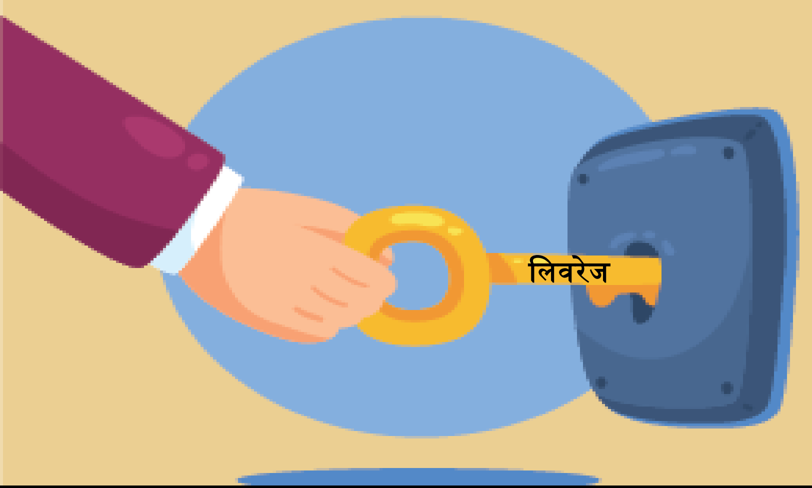

मार्जिन ट्रेडिंग का परिचय

संपादक की कलम से

प्रिय पाठकों,

सबसे पहले, हम समाचार पत्र के इस संस्करण को प्रकाशित करने में हुई देरी के लिए खेद व्यक्त करते हैं। हम अपने पाठकों को आश्वस्त करते हैं कि भविष्य में हम इन अंकों को समय पर प्रकाशित करने का प्रयास करेंगे।

चक्रवृद्धि (कंपाउंडिंग) और लेवरेजिंग (उत्तोलन) निवेश और संपत्ति निर्माण के दो महत्वपूर्ण पहलू है और शेयर बाजार के निरंतर उतार-चढ़ाव के बीच कुछ मौके निवेश के भरपूर अवसर प्रदान करते हैं। हालांकि, अधिकांश खुदरा निवेशकों के पास सीमित नकदी होने के कारण इन अवसरों का लाभ उठाना हमेशा संभव नहीं होता है।

मार्जिन ट्रेडिंग एक ऐसी अवधारणा है जो निवेशकों को व्यापार के पूर्ण प्रतिफल मूल्य के बजाय केवल एक हिस्से (या मार्जिन) का भुगतान करके शेयर में व्यापार करने देती है। यह एक दलाल द्वारा संभव किया जाता है जो शेष राशि प्रदान करता है और ग्राहक से ब्याज वसूलता है। आपकी ओपन पोजीशन को चुकता करने के बाद मार्जिन का निपटारा किया जा सकता है। चूंकि इस प्रक्रिया में कई कारक शामिल होते हैं, मार्जिन ट्रेडिंग को समझने में समय लगता है। इसलिए इसे हमेशा एक पेशेवर वित्तीय या निवेश योजनाकार से परामर्श के बाद करने की सलाह दी जाती है। पर जैसा कहा जाता है, कुछ नया सीखने या शुरू करने में कभी देर नहीं होती।

आपको मार्जिन ट्रेडिंग को अच्छे से समझने में मदद करने के लिए, द फाइनेंशियल कैलिडोस्कोप के इस संस्करण में, हम मार्जिन और मार्जिन ट्रेडिंग की मूल बातें शामिल कर रहे हैं। यह वित्तीय सलाह नहीं है, बल्कि कुछ बुनियादी सवालों के जवाब रूप में एक शुरुआती मार्गदर्शिका है।

एनएसडीएल अब लिंक्डइन पर मौजूद है। एनएसडीएल वेबिनार आदि के बारे में अद्यतन रहने के लिए कृपया https://www.linkedin.com/company/national-securities-and-depository-limited पर जाएं।

इस संस्करण पर अपनी प्रतिक्रिया हमसे साझा करें और सुरक्षित रहें।

सादर,
एनएसडीएल - आपकी डिपॉजिटरी

मार्जिन ट्रेडिंग का सारांश

मार्जिन क्या है?

उदाहरण के लिए, आप एक निवेशक के रूप में एबीसी लिमिटेड के 100 शेयर खरीदना चाहते हैं, जिसकी कीमत 1000 रुपये प्रति शेयर है। इस पूरे लेन-देन का मूल्य रुपये 1,00,000 होगा। मान लीजिये आप मार्जिन की सुविधा का उपयोग नहीं करते है, तो ये सारे शेयर खरीदने के समय आपको अपने दलाल को पूरे 1,00,000 रुपये का भुगतान करना होगा।
अब मान लेते है कि आपका दलाल आपको 50% मार्जिन सुविधा प्रदान कर रहा है तो आप केवल 50,000 रुपये का भुगतान करके उन शेयर में निवेश कर सकते हैं। शेष राशि का निवेश दलाल   एक पूंजी के समान करता है और निपटान के समय आपसे उस राशि को लेता है।
शेयर बाजार के संदर्भ में यह मार्जिन पद्धति निवेशक को अधिकतम लाभ उठाने की सुविधा देती है। स्टॉक एक्सचेंज द्वारा निर्धारित कुछ नियम हैं जिनका पालन आपके स्टॉक दलाल को आपको यह सुविधा देते वक्त करना पड़ता है। यह नियम स्टॉक और समय के अनुसार अलग हो सकते हैं।

मार्जिन ट्रेडिंग क्या है?

मार्जिन का अर्थ समझने के बाद, मार्जिन ट्रेडिंग को समझना आसान है। सरल शब्दों में, यह स्टॉक दलाल द्वारा ग्राहकों को प्रदान की जाने वाली एक सुविधा है, जिसके तहत ग्राहक को सौदे के वक्त खरीदी और बेचीं गयी प्रतिभूतियों (शेयर) की 100% राशि का अग्रिम भुगतान नहीं करना पड़ता है।
निवेशक द्वारा भुगतान की गई राशि को 'मार्जिन' कहा जाता है और जिस राशि का भुगतान नहीं किया जाता है और जिस हिस्से को दलाल द्वारा दिया जाता है, उसे लिवरेज कहा जाता है।
निवेशक मार्जिन का भुगतान नकद(बैंक हस्तांतरण के माध्यम से) या प्रतिभूतियों को जमा कर के, कर सकता है। मार्जिन के रूप में प्रदान की गई इन प्रतिभूतियों को 'संपार्श्विक' कहा जाता है।

मार्जिन की आवश्यकता और मार्जिन ट्रेडिंग के तर्क

1. मार्जिन ट्रेडिंग निवेशकों को पूरी राशि का भुगतान किए बिना प्रतिभूतियां खरीदने में मदद करती है। व्यापार से होने वाली आय मार्जिन से अधिक हो तो वे लाभ कमा सकते हैं।
2. मार्जिन ट्रेडिंग शेयर व्यापार को बढ़ाने में मदद करती है।
3. मार्जिन आवश्यकताओं को लागू करके, एक्सचेंज बाजार की व्यापारिक गतिविधियों को नियंत्रित करता है।
4. एक्सचेंज द्वारा मार्जिन आवश्यकताओं का उपयोग निपटान सम्बन्धी जोखिमों का प्रबंधन करने के लिए किया जाता है।

विभिन्न प्रकार के मार्जिन क्या हैं?

भारत में शेयर ट्रेडिंग पर विभिन्न प्रकार के मार्जिन लागू होते हैं। प्रत्येक का अपना तर्क है। आइए जानते हैं कैश सेगमेंट पर लागू होने वाले मार्जिन के विभिन्न प्रकार –

वैल्यू एट रिस्क (व्हीएआर) मार्जिन या प्रारंभिक मार्जिन (आईएम)

इसका उद्देश्य 99% दिनों में होने वाले सबसे बड़े नुकसान को समाविष्ट करना है। लिक्विड स्टॉक (स्टॉक जो आसानी से बेचे जा सकते है) के लिए, मार्जिन एक दिन के नुकसान की सुरक्षा करता है जबकि इलिक्विड स्टॉक (स्टॉक जो आसानी से नहीं बेचे जा सकते है) के लिए, यह तीन दिन के नुकसान की सुरक्षा करता है। इससे एक्सचेंज को तीन दिनों में हुए नुकसान की भरपाई करने का समय मिलता है।

अत्यधिक हानि मार्जिन (ईएलएम) मार्जिन

यह विस्तारित नुकसान जो व्हीएआर मार्जिन के तहत कवर किये गए 99% से अधिक है उससे बचाने के लिए रक्षा की दूसरी पंक्ति है ।मार्क टू मार्केट (एमटीएम) मार्जिन
एमटीएम की गणना किसी भी ट्रेडिंग दिवस पर निवेशक के ओपन पोजीशन (ऐसे सौदे जो अभी पूरे नहीं हुए है, जिन पर लाभ और हानि दोनों हो सकती है) पर लेनदेन मूल्य और शेयर के समापन मूल्य के बीच के अंतर पर की जाती है।

अगर अंतिम मूल्य समझौते के मूल्य से कम है, तो एक्सचेंज को अनुमानित नुकसान का भुगतान करना पड़ता है।

पीक मार्जिन

1. पीक मार्जिन वह न्यूनतम मार्जिन राशि है जिसे दलाल को कैश और डेरिवेटिव सेगमेंट में कोई भी इंट्राडे/डिलीवरी ऑर्डर देने से पहले अपने ग्राहकों से एकत्र करना चाहिए।
2. ट्रेडिंग सत्र के दौरान क्लियरिंग कॉर्पोरेशन सभी मार्जिन स्थिति के कम से कम चार नियमित स्नैपशॉट लेते हैं।
3. दलाल को क्लियरिंग कॉरपोरेशन से उनके ट्रेडिंग मात्रा आदि के अनुसार मार्जिन कॉल मिलते हैं। वे अपने मार्जिन दायित्वों को पूरा कर, क्लियरिंग कॉरपोरेशन को अपना पूरा विवरण देते हैं।
4. विभिन्न स्नैपशॉट से उभरने वाली उच्चतम मार्जिन आवश्यकता दिन के लिए 'पीक मार्जिन' बन जाती है। इस पीक मार्जिन की तुलना निवेशकों को उपलब्ध मार्जिन से की जाती है।
5. पीक मार्जिन की आवश्यकता उपलब्ध मार्जिन से अधिक होने पर क्लियरिंग कॉरपोरेशन द्वारा दलाल पर जुर्माना लगाया जा सकता है।

हाल ही में पीक मार्जिन आवश्यकताओं के संबंध में महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं। निवेशकों के लिए बाजारों को सुरक्षित बनाने के लिए, सेबी ने स्टॉक एक्सचेंजों को चरणबद्ध तरीके से पीक मार्जिन बढ़ाने का निर्देश दिया है। जैसा कि नीचे दिए गए ग्राफ़िक से देखा जा सकता है 1 सितंबर, 2021 से, अधिकतम मार्जिन आवश्यकता 100% है।

पीक मार्जिन' रोलआउट की अनुसूची

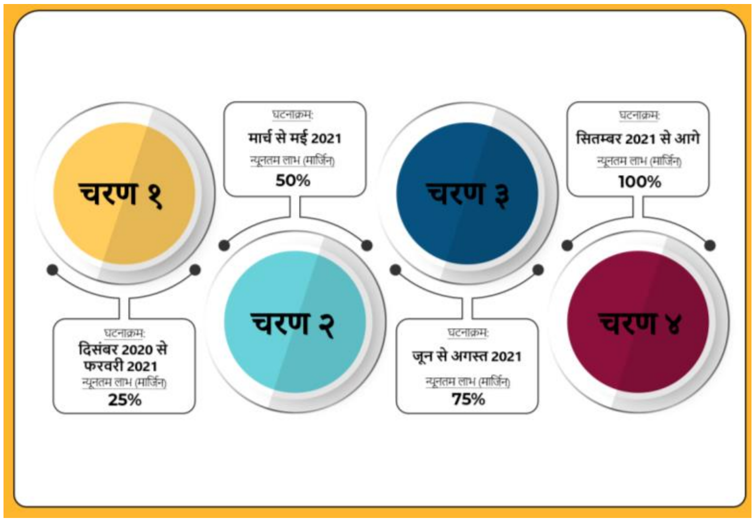

खुदरा निवेशकों पर इसका असर

तार्किक रूप से यह बढ़ा हुआ मार्जिन, नियमित रूप से व्यापार करने वालों को प्रभावित करेगा क्योंकि इससे उनकी धन का लाभ उठाने की क्षमता कम हो जाती है या उन्हें व्यापार जारी रखने के लिए अतिरिक्त धन जुटाना पड़ता है।
पहले की प्रणाली में ट्रेडिंग दिवस के अंत में मार्जिन आवश्यकता की गणना करने की व्यापारी, एक निश्चित मूल्य के शेयर बेच सकते थे और मार्जिन की उपलब्धता के कारण उसी धन में और शेयर खरीद सकते थे।
नई पीक मार्जिन प्रणाली के तहत, किसी विशेष लेनदेन के लिए आवश्यक मार्जिन पूरे दिन बदल सकता है। इसके लिए निवेशकों को अतिरिक्त फंड बनाए रखने और इंट्राडे लेनदेन से जोखिम कम करने की आवश्यकता है।

मार्जिन ट्रेडिंग की कार्यप्रणाली

इंट्राडे और डिलीवरी ट्रेड में क्या अंतर है?

सरल शब्दों में, इंट्राडे ट्रेड तब होता है जब निवेशक एक ही दिन में समान मात्रा में शेयर खरीदे और बेचे, भले ही वे अलग-अलग कीमतों पर हों। खरीदे और बेचे गए शेयर ऐसे निष्पादित किए जाते है जिसमें बेचे और खरीदे गए शेयर की कुल मात्रा समान हो। यह व्यापारियों के लिए दिन के अंत में शून्य वितरण दायित्व में परिणत होता है जिसे पोजीशन या ट्रेड का 'स्क्वेरिंग ऑफ' भी कहा जाता है।
यदि निवेशक ट्रेडिंग दिवस के अंत में बिक्री हुए सौदों को बंद नहीं करता है, तो उसे उन शेयर के लिए भुगतान करना पड़ता है। फिर उन शेयर को उनके डीमैट खाते में जमा कर दिया जाता है। इस तरह के सौदों को डिलीवरी ट्रेड के रूप में जाना जाता है।

इंट्राडे सौदों के पीछे उद्देश्य क्या है?

इंट्राडे ट्रेड करने के पीछे मुख्य उद्देश्य स्टॉक की बिक्री और खरीद मूल्य में अंतर के कारण लाभ अर्जित करना है।
आम तौर पर, इंट्राडे ट्रेड में निवेशक विशिष्ट शेयर में व्यापार करने के लिए लक्ष्य मूल्य निर्धारित करता है। यदि शेयर की

कीमत लक्ष्य मूल्य से नीचे आती है, तो निवेशक इसे खरीदता है और जैसे ही यह लक्ष्य मूल्य को पार करता है, इसे बेच देता है (निश्चित रूप से लक्ष्य मूल्य खरीद मूल्य की तुलना में अधिक होगा)। निवेशक अपने इंट्राडे नुकसान को सीमित करने के लिए एक स्टॉप लॉस लक्ष्य भी निर्धारित करता है, जिस पर कीमत गिरने पर, वह शेयर को बेच देता है।
दूसरी ओर, डिलीवरी ट्रेडिंग में, खरीदे गए शेयर को निवेशक के डीमैट खाते में जमा किया जाता है और निवेशक उन शेयर का लाभकारी मालिक बन जाता है। फिर शेयर के बेचे जाने तक यही स्थिति रहती है।

क्या सभी शेयर के लिए इंट्राडे ट्रेडिंग संभव है?

कुछ शेयर ऐसे होते हैं जिनका कारोबार 'ट्रेड फॉर ट्रेड' सेगमेंट में होता है। इस खंड के अंतर्गत निवेशकों को उनके द्वारा बेचे गए सारे शेयर सौंपने पड़ते है इसी तरह, उन्हें अपने द्वारा खरीदे गए शेयर के लिए पूरा भुगतान करने की आवश्यकता होती है दूसरे शब्दों में, ऐसे शेयर के लिए इंट्राडे ट्रेडिंग लागू नहीं होती है।

किसी ट्रेड के लिए आवश्यक मार्जिन कैसे पता करें?

जैसा कि पहले बताया गया है, हर ट्रेड में खरीदने और बेचने पर विभिन्न प्रकार के मार्जिन लागू होते हैं। सटीक मार्जिन आवश्यकता हर एक्सचेंज में भिन्न होती है। एक्सचेंज द्वारा निर्धारित सीमा के भीतर, हर दलाल की मार्जिन की अंतिम राशि भिन्न हो सकती है। सामान्य तौर पर अधिकांश दलाल स्टॉक एक्सचेंज द्वारा निर्धारित अधिकतम मार्जिन मानदंडों का पालन करते हैं। इसलिए एनएसई जैसे स्टॉक एक्सचेंज निवेशकों को व्यापार शुरू करने से पहले मार्जिन आवश्यकता जानने में मदद करने के लिए एक ऑनलाइन कैलकुलेटर प्रदान करते हैं। इसे स्वयं जांचने के लिए यहाँ क्लिक करें।

मार्जिन आवश्यकताओं को पूरा नहीं करने पर क्या निहितार्थ होते हैं?

मार्जिन ट्रेडिंग में, निवेशकों के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वे दिन के दौरान स्टॉक की अस्थिरता के लिए खाते में न्यूनतम मार्जिन के रूप में पर्याप्त धनराशि रखें। यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है यदि आप ओपन पोजीशन (ऐसा सौदा जो अभी बाज़ार में पूरा नहीं हुआ है) का इरादा रखते हैं।

यदि ट्रेडिंग अवधि के दौरान न्यूनतम मार्जिन उपलब्ध मार्जिन से अधिक हो जाता है, तो यह मार्जिन कॉल की वजह बन सकता है और यदि निवेशक इसे पूरा करने में विफल रहता है, तो दलाल पोजीशन बंद करके और/ या निवेशक के मार्जिन खाते से शेयर बेच कर इस कमी को पूरा कर सकता है। इसलिए अपने मार्जिन दायित्व को जान कर उसे जल्द से जल्द पूरा करना ही सही है।

मार्जिन की आवश्यकताओं को कैसे पूरा करें?

1. दलाल के नामित बैंक खाते में मार्जिन का नकद भुगतान किया जा सकता है।
2. प्रतिभूतियों के रूप में मार्जिन का भुगतान दलाल के पक्ष में 'मार्जिन गिरवी' बनाकर किया जा सकता है।

मार्जिन फंड प्रदान करने के तरीके

1. एक्सचेंज के विभिन्न खंडों में दलाल के पास उपलब्ध नि:शुल्क और भार-मुक्त शेष (धन कोष और प्रतिभूतियां)
2. किसी भी अनुमोदित बैंक द्वारा दलाल के पक्ष में जारी की गई बैंक गारंटी।
3. किसी भी अनुमोदित बैंक द्वारा जारी सावधि की जमा रसीदें और दलाल के पक्ष में चिह्नित उनका ग्रहणाधिकार।

- मार्जिन प्रदान करने के तरीके - प्रतिभूति रूप

1. पात्र प्रतिभूतियों का उचित मूल्य काट (हेयर कट) के साथ डीमैट रूप में मार्जिन गिरवी रखना।
2. डीमैट रूप में लिक्विड म्यूचुअल फंड की इकाइयां, सरकारी प्रतिभूतियां और इलेक्ट्रॉनिक रूप में ट्रेजरी बिल उचित हेयर कट के साथ।
3. मार्जिन के रूप में दी गई प्रतिभूतियां जो नकद बाजार में बेची जाती हैं और ऐसी प्रतिभूतियां जो ट्रेडिंग दलाल के पूल खाते में हैं, लेकिन अग्रिम भुगतान के रूप में नहीं दी जाती हैं। मार्जिन का लाभ ग्राहक को बिना हेयर कट के प्रतिभूतियों की बिक्री से टी + 1 दिन तक दिया जाता है।
4. ग्राहक के डीमैट या बैंक खाते में नि:शुल्क और भार-मुक्त निधि/प्रतिभूतियां, जिसके लिए ग्राहक ने दलाल के पक्ष में पावर ऑफ़ अटॉर्नी दिया है, यदि दलाल या उसकी सहयोगी कंपनी डीपी है तो उन्हें ग्राहक द्वारा

मार्जिन आवश्यकताओं की पूर्ति के रूप में माना जा सकता है।

5. पे-आउट भुगतान में प्राप्त प्रतिभूतियों को तभी माना जाएगा जब वह क्लीयरिंग कारपोरेशन से वास्तव में प्राप्त हो।
6. ग्राहकों से प्राप्त अग्रिम भुगतान को टी+1 मार्जिन के लिए लेजर बैलेंस की गणना करते समय माना जा सकता है।

आज खरीदे और कल बेचें ऐसे लेनदेन के लिए मार्जिन की क्या आवश्यकताएं हैं?

यदि ग्राहक टी दिन पर लागू मार्जिन के अग्रिम भुगतान के साथ शेयर खरीदता है और यदि टी + 1 दिन पर शेयर बेचता है, तो

1. ग्राहक को विक्रय सौदे के लिए भी अलग मार्जिन का भुगतान करने की आवश्यकता होती है, क्योंकि खरीदने और बेचने के सौदों को अलग समझौतों में निष्पादित किया जाता है।
2. दलाल ग्राहक की खरीद-स्थिति के लिए भुगतान करना चुन सकता है (खरीद मूल्य - ग्राहक द्वारा भुगतान किया गया मार्जिन) और क्लाइंट अनपेड सिक्योरिटीज अकाउंट (सीयूएसए) में T+2 दिन पर शेयर का भुगतान एकत्र कर सकता है।
3. दलाल सीयूएसए से T+3 दिवस पर शेयर का वितरण कर T+1 दिवस पर उन्हें विक्रय सौदे के लिए जमा कर सकता है।
4. दलाल लेनदेन के निष्पादन पर शेयर की खरीद और बिक्री मूल्य को ग्राहक के खाते में नियुक्त करना चुन सकता है, जिसका उपयोग ग्राहक के बाद के सौदों के लिए मार्जिन के रूप में कर सकता है।
5. सीयूएसए खाते में उपलब्ध और एवज में प्राप्त प्रतिभूतियों को (न्यूनतम 20% हेयरकट से कम हुई) ग्राहक बहीखाते में शेष राशि को समायोजित करने के बाद ही संग्रह और मार्जिन की रिपोर्टिंग के लिए माना जाएगा।

मार्जिन गिरवी

मार्जिन गिरवी क्या है?

स्टॉक ट्रेडिंग के संदर्भ में गिरवी ऐसा ऋण है जिस में शेयर को गिरवी रख के अग्रिम भुगतान प्राप्त किया जाता है। मार्जिन गिरवी मध्यस्थ द्वारा प्रतिभूतियों को गिरवी रख कर मार्जिन ट्रेडिंग के लिए धन प्राप्त करने का एक तरीका है। इसका उपयोग कर निवेशक अपने जोखिम को सीमित कर सकते हैं।

ऐसे दलाल और मध्यस्थ जो मार्जिन ट्रेडिंग सुविधाएं प्रदान करते हैं जिनके पास यह मार्जिन जमा होते है उन्हें, उनका कस्टोडियन माना जाता है। हाल में कुछ दलालों द्वारा ग्राहक की प्रतिभूतियों और धन का दुरुपयोग करने की कुछ दुर्भाग्यपूर्ण घटनायें सामने आई।

ऐसी घटनाओं पर चिंता जताते हुए सेबी द्वारा मार्जिन गिरवी की आवश्यकताओं को अधिक मजबूत किया गया है।

1. 1 अगस्त 2020 से स्टॉक दलाल द्वारा गिरवी के रूप में रखी गई केवल वे ही प्रतिभूतियों को मार्जिन गिरवी के रूप में स्वीकार किया जा सकता हैं जो ग्राहक के डीमैट खाते हों।
2. प्रतिभूतियों पर मार्जिन गिरवी बनाने का निर्देश ग्राहक या पावर ऑफ़ अटॉर्नी धारक द्वारा भौतिक रूप में या इलेक्ट्रॉनिक रूप से स्पीड-ई के माध्यम से दिया जा सकता है।
3. इस तरह की मार्जिन गिरवी स्टॉक दलाल के विशेष रूप से नामित डीमैट खाते के पक्ष में ही बनाई जा सकती है (टीएम - क्लाइंट सिक्योरिटीज मार्जिन प्लेज अकाउंट या टीएम / सीएम - क्लाइंट सिक्योरिटीज मार्जिन प्लेज अकाउंट)।

मार्जिन गिरवी निर्देश कैसे जमा करें?

आप 'फॉर्म 43 - मार्जिन प्लेज फॉर्म' में अपनी पूरी जानकारी भरकर और उस पर हस्ताक्षर कर, अपने डीपी के पास जमा कर सकते हैं। एनएसडीएल ग्राहक स्पीड-ई प्लेटफॉर्म के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक रूप से भी मार्जिन प्लेज निर्देश जमा कर सकते हैं अगर वे पंजीकृत उपयोगकर्ता हैं। अधिक जानकारी के लिए यहाँ क्लिक करें।

ध्यान रखने योग्य निर्देश:

- एक बार बन जाने के बाद, मार्जिन गिरवी निर्देश गिरवीदार की पुष्टि के प्रभावी होने की प्रतीक्षा करेगा।
- यदि गिरवीदार ने गिरवी निर्देश की स्वत: पुष्टि का विकल्प चुना है, तो ऊपर बनाया गया मार्जिन गिरवी निर्देश तुरंत प्रभावी हो जाएगा।
- उन प्रतिभूतियों के लिए मार्जिन गिरवी बनाना

सुनिश्चित करें जो आपके दलाल द्वारा मार्जिन उद्देश्यों के लिए अनुमोदित हैं।

- सुरक्षा और लागू हेयरकट के मूल्य के अनुसार मार्जिन गिरवी बनाएं।

म्युचुअल फंड लेनदेन/सेवा अनुरोधों में निवेशकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए अंतःप्रचालनीय (इंटर-ऑपरेबल) प्लेटफॉर्म

मौजूदा और भविष्य के म्यूचुअल फंड निवेशकों को इन सेवाओं का लाभ उठाने के लिए और इसे अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए, सेबी ने निर्देश दिया है कि म्यूचुअल फंड रजिस्ट्रार संयुक्त रूप से एक सामान्य उद्योग-व्यापी मंच विकसित करेंगे जो निवेशकों को एक एकीकृत, सामंजस्यपूर्ण वित्तीय अनुभव देगा। यह प्लेटफॉर्म निवेशकों के लिए खरीद, मोचन, स्विच आदि जैसे म्यूचुअल फंड लेनदेन आसान करेगा। इस प्लेटफॉर्म को चरणबद्ध तरीके से (गैर-वित्तीय लेनदेन से शुरू करके) लागू किया जाएगा और 31 दिसंबर, 2021 तक यह पूरी तरह से चालू हो जाएगा।

संदर्भ: परिपत्र संख्या एनएसडीएल/सीआईआर/II/19/2021 दिनांक 30 जुलाई, 2021 एनएसडीएल की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

ट्रेडिंग और डीमैट खातों के लिए नामांकन

1 अक्टूबर, 2021 से ग्राहकों के नए ट्रेडिंग और डीमैट खाते दलाल और डीपी द्वारा तभी सक्रिय किए जाएंगे जब ग्राहक ने इनमें नामांकित व्यक्तियों का विवरण प्रदान किया हो या नामांकन से बाहर निकलने के लिए घोषणा की हो। अब ई-साइन सुविधा का उपयोग करके ऑनलाइन नामांकन और घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किए जा सकते हैं और उस स्थिति में गवाह की आवश्यकता नहीं होगी।

सभी मौजूदा ट्रेडिंग और डीमैट खाताधारक 31 मार्च, 2022 को या उससे पहले नामांकन प्रदान करेंगे, ऐसा न करने पर ट्रेडिंग खातों को ट्रेडिंग के लिए और डीमैट खाते को डेबिट के लिए बंद कर दिया जाएगा।

संदर्भ: परिपत्र संख्या एनएसडीएल/पॉलिसी/2021/0078 दिनांक 26 जुलाई, 2021 एनएसडीएल की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

डीमैट खातों को ऑनलाइन बंद करने के लिए दिशानिर्देश

1 सितंबर, 2021 से वे डीपी जो ऑनलाइन खाता खोलने की सुविधा दे रहे हैं, उन्हें डीमैट खातों को ऑनलाइन बंद करने

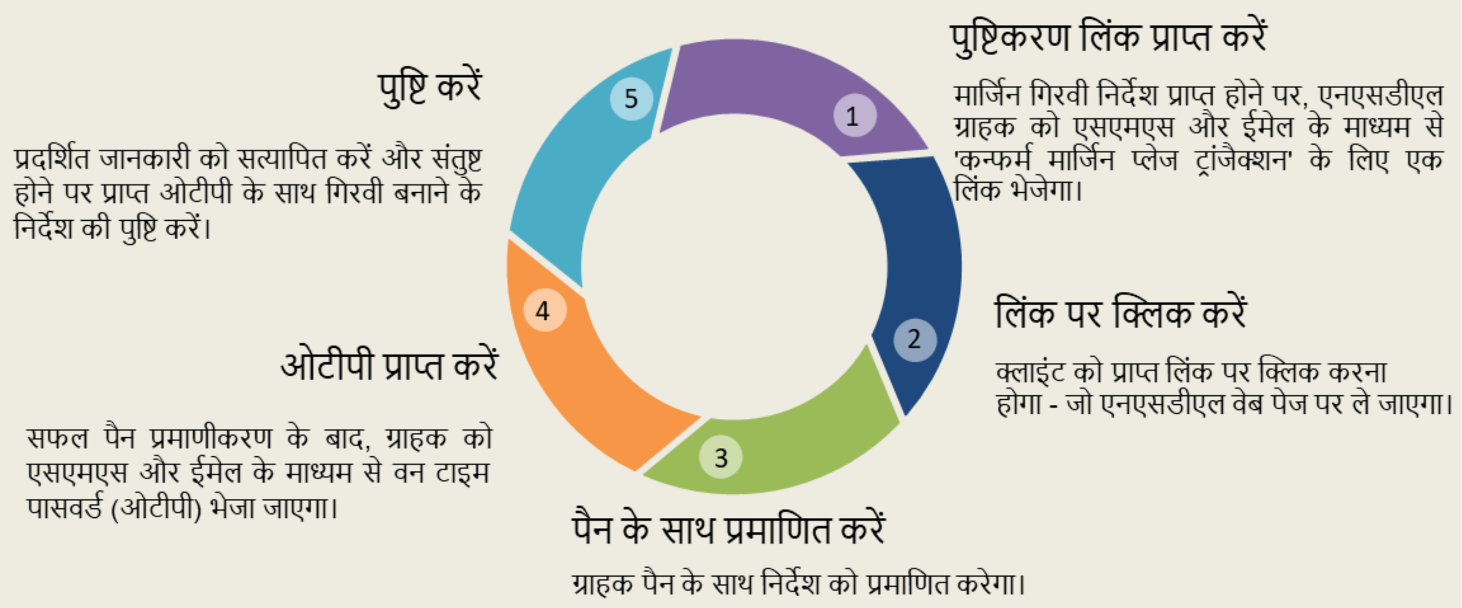

की सुविधा शुरू करने की भी आवश्यकता है।

संदर्भ: परिपत्र संख्या एनएसडीएल/पॉलिसी/2021/0087 दिनांक 19 अगस्त, 2021 एनएसडीएल की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

बिक्री लेनदेन करने वाले ग्राहकों के डीमैट खाते में रोक लगाने का तंत्र

सेबी ने एक नई प्रणाली निर्धारित की है जिसके तहत शेयर बिक्री करने का इरादा रखने वाला ग्राहक अगर चाहे तो समाशोधन निगम के पक्ष में शेयर को अवरुद्ध कर सकता है। यदि बिक्री लेनदेन निष्पादित नहीं किया जाता है (या समाशोधन निगम से दायित्व विवरण प्राप्त नहीं होता है), तो शेयर को T+2 दिन पर मुक्त (अनब्लॉक) कर दिया जाएगा। इस प्रकार यह तंत्र ग्राहक के डीमैट खाते से शेयर के शीघ्र भुगतान (अर्ली पे-इन) और सौदा नहीं करने की स्थिति में, शेयर को वापस ग्राहक के डीमैट खाते में जमा करने की जरुरत को खत्म कर देता है। यह सुविधा 1 अगस्त, 2021 से उपलब्ध करायी गई है।
जब कोई ग्राहक ब्लॉक तंत्र प्रणाली को अग्रिम भुगतान सुविधा के साथ लेना चाहता है, तो प्रतिभागियों को निर्धारित प्रारूप में इस तरह के निर्देश प्राप्त करने की आवश्यकता होती है। यह ग्राहकों के लिए एक वैकल्पिक सुविधा है।

संदर्भ: परिपत्र संख्या एनएसडीएल/पॉलिसी/2021/0073 दिनांक 17 जुलाई 2021, एनएसडीएल/पॉलिसी/2021/0074 दिनांक 17 जुलाई 2021 और एनएसडीएल/पॉलिसी/2021/0082 दिनांक 31 जुलाई 2021 एनएसडीएल की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

ग्राहकों के केवाईसी का अनिवार्य अद्यतन (समय वृद्धि)

1 अगस्त, 2021 से ग्राहकों के लिए खाता खोलते समय डीपी को केवाईसी की कुछ जानकारी देना अनिवार्य है। इसमें ग्राहक का नाम, पता, पैन, मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी और आय सीमा शामिल है। मौजूदा डीमैट खाताधारकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि 31 दिसंबर, 2021 से पहले उनके डीमैट खाते में जानकारी सही ढंग से दर्ज की गई है।

संदर्भ: परिपत्र संख्या एनएसडीएल/पॉलिसी/2021/0100 दिनांक 28 सितम्बर, 2021 एनएसडीएल की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

पैन को आधार से जोड़ना

सेबी ने पैन को आधार से जोड़ने के संबंध में एक प्रेस विज्ञप्ति दिनांक 3 सितंबर, 2021 को जारी की है:

- केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) अधिसूचना जीएसआर 112 (ई) दिनांक 13 फरवरी, 2020 के अनुसार, 01 जुलाई, 2017 को आवंटित व्यक्ति का पैन आधार से जुड़े ना होने पर, 31 मार्च 2022 से निष्क्रिय हो जाएगा।
- चूंकि, प्रतिभूति बाजार में सभी लेनदेन के लिए पैन एकमात्र पहचान संख्या है, सभी सेबी पंजीकृत संस्थाओं को उक्त अधिसूचना का अनुपालन सुनिश्चित करना पड़ेगा और 31 मार्च, 2022 के बाद नए खाते खोलते समय केवल ऑपरेटिव पैन (अर्थात् पैन जो आधार से जुड़ा हुआ है) स्वीकार्य होंगे।
- सभी मौजूदा निवेशकों को सलाह दी जाती है कि वे प्रतिभूति बाजार में निरंतर और सुचारू लेनदेन के लिए 31 मार्च, 2022 से पहले अपने पैन को आधार से जुड़वा लें।

संदर्भ: परिपत्र संख्या एनएसडीएल/पॉलिसी/2021/0093 दिनांक 7 सितंबर, 2021 एनएसडीएल की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

निवेशक जागरूकता वेबिनार

निवेश के विभिन्न पहलुओं के बारे में निवेशकों को अवगत कराने के लिए एनएसडीएल पूरे देश में निवेशक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करता है। मौजूदा स्थिति को देखते हुए, एनएसडीएल वेबिनार के रूप में निवेशक जागरूकता कार्यक्रमों को जारी रखे हुये है। आगामी कार्यक्रमों / वेबिनार की सूची https://nsdl.co.in/Investor-Awareness-Programmes.php प्रकाशित की जाती है और नीचे भी दी गयी है। कृपया अद्यतन कार्यक्रम के लिए वेबसाइट का अवलोकन करें। वेबिनार में शामिल होने के लिए पूर्व पंजीकरण की आवश्यकता होती है। पंजीकरण के लिए लिंक सूची के साथ उपलब्ध है। आपके संगठन / संस्थान के लिए कार्यक्रम आयोजित करने में हमें खुशी होगी। ऐसे कार्यक्रम आयोजित किये जाने के लिए कृपया हमें info@nsdl.co.in पर लिखें।

आगामी निवेशक जागरूकता कार्यक्रम

क्रमांक	दिनांक	समय	विषय	भाषा
1	20 अक्टूबर 2021	04.00 संध्या - 05.30 संध्या '	प्रतिभूति बाज़ार का परिचय	मराठी
2	21 अक्टूबर 2021	05.30 संध्या - 07.00 संध्या	विभिन्न परिसंपत्ति वर्गों को समझना	हिंदी
3	22 अक्टूबर 2021	05.30 संध्या - 07.00 संध्या	निवेशकों के लिए एनएसडीएल की ई-सेवाएं	अंग्रेज़ी
4	27 अक्टूबर 2021	04.00 संध्या - 05.30 संध्या	प्रतिभूति बाज़ार का परिचय	अंग्रेज़ी
5	28 अक्टूबर 2021	05.30 संध्या - 07.00 संध्या	डेरिवेटिव्स को समझें	अंग्रेज़ी
6	29 अक्टूबर 2021	05.30 संध्या - 07.00 संध्या	सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश - खुदरा निवेशकों के लिए क्यों और कैसे?	हिंदी

अधिक शिक्षा, अधिक विवेक

नॉलेज विन्स कांटेस्ट [redacted]

ग्राहक प्रतिभूतियों के रूप में मार्जिन कैसे दे सकता है ?

उत्तर भेजने के लिए इस लिंक पर क्लिक करें या क्यू आर कोड स्कैन करें

25 भाग्यशाली विजेताओं को मिलेंगे उपहार

पिछले महीने के विजेता

अतुल पटांगे- पुणे
बकुल शुक्ला - अहमदाबाद
भाविक शाह - अहमदाबाद
भुवनेश्वरी कन्नन - चेन्नई
चेंथिल कुमार - चेन्नई
फेनिल मोदी - गांधीनगर
गौरव गर्ग दक्षिणा - कन्नड़
गोविंदराज जयकुमार - चेन्नई
ग्रेस मथाई - अहमदाबाद

एच वी द्वारकी नाथ - बेंगलुरु
हरदीप सिंह - गुड़गांव
हृषिकेश पुराणिक - अहमदाबाद
कमल मोहन - पठानकोट
मुकुल रूसतागि - दिल्ली
पार्थसारथी आर - चेन्नई
राघव अजमानी - सिंगुरी
राजीव देठे - नागपुर
रमेश नरमसेट्टी - कोरापुट

संदेश वालावलकर - मुंबई
सरूप शेरावत - नई दिल्ली
शैलेश्वर सिंह - पटना
सुब्रह्मण्यम यक्कली - रायपुर
सुजीत बोस - पूर्वी सिंहभूमि
सुमेध - सोलापुर
वसंत दीक्षित - बेंगलुरु

नियम और शर्तें :
1)इस प्रतियोगिता के निष्पादन के लिए केवल एनएसडीएल जिम्मेदार रहेगा। यह प्रतियोगिता सिर्फ भारतीय नागरिकों के लिए है। 2)एनएसडीएल के कर्मचारी इस प्रतियोगिता में भाग नहीं ले सकते। 3)व्यक्तिगत जानकारी पूरी और सही होनी चाहिए। 4)आवश्यकता पड़ने पर एनएसडीएल प्रमाण की मांग कर सकता है| 5)एनएसडीएल को किसी भी समय बिना किसी पूर्व सूचना दिए, प्रतियोगिता बंद करने का अधिकार है। 6)विजेताओं का चयन एनएसडीएल द्वारा किया जाएगा। एनएसडीएल का निर्णय अंतिम होगा|

मुख्य कार्यालय

ट्रेड वर्ल्ड, ए विंग, चौथा माला, कमला मिल्स कंपाउंड, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल, मुंबई - 400013

शाखायें

● अहमदाबाद ● बेंगलुरु ● गिफ्ट सिटी गांधीनगर ● हैदराबाद ● जयपुर ● कोच्चि ● कोलकाता ● लखनऊ ● नई दिल्ली

डीमैट संबंधित किसी भी शिकायत के लिए हमें relations@nsdl.co.in पर ई-मेल लिखें
डीमैट संबंधित अन्य किसी जानकारी के लिए हमें info@nsdl.co.in पर ई-मेल लिखें

नेशनल सिक्युरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड इन्वेस्टर प्रोटेक्शन फण्ड ट्रस्ट की ओर से **प्रशांत वागल** (संपादक) द्वारा मुद्रित व प्रकाशित